

डॉ. जेफरी हडॉन, बाइबिल पुरातत्व, सत्र 1, अनुशासन का परिचय और इतिहास , भाग 1

© 2024 जेफरी हडॉन और टेड हिल्डेब्रांट

यह बाइबिल पुरातत्व पर अपने शिक्षण में डॉ. जेफरी हडॉन हैं। यह सत्र 1, बाइबिल पुरातत्व के अनुशासन का परिचय और इतिहास, भाग 1 है।

आप सबका स्वागत है। मेरा नाम जेफ हुडन है, और मैं आपसे मिशिगन के बेरिंग स्प्रिंग्स में एंड्रयूज यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट ऑफ आर्कियोलॉजी के परिसर से बात कर रहा हूँ। मैं बाइबिल पुरातत्व पर व्याख्याओं की श्रृंखला में आप सभी का स्वागत करना चाहता हूँ। यहाँ मेरे बारे में थोड़ा सा है।

मेरे पास पीएच.डी. है। यहां एंड्रयूज में नियर ईस्टर्न आर्कियोलॉजी, ओल्ड टेस्टामेंट व्याख्या में। और मैं और मेरी पत्नी इज़राइल में रहते थे और मैंने दो साल तक जेरूसलम यूनिवर्सिटी कॉलेज में अध्ययन किया और वहां मास्टर डिग्री के साथ-साथ फुलर थियोलॉजिकल सेमिनरी में धर्मशास्त्र में मास्टर डिग्री की। मेरे पास इज़राइल और जॉर्डन दोनों में पुरातत्व क्षेत्र के काम के 17 सीज़न हैं, और आपके साथ रहना और आपको बाइबिल पुरातत्व नामक इस अविश्वसनीय अनुशासन से परिचित कराना खुशी की बात है, जो बाइबिल अध्ययन और व्याख्या में उपयोग करने के लिए एक अद्भुत उपकरण है।

यहां हमारे वीडियो स्क्रीन पर जो तस्वीर है वह एक विशिष्ट पुरातात्विक खुदाई की तस्वीर है। यह वास्तव में इज़राइल में तेल एस-सफ़ी है। तेल एस-सफ़ी शेफेला में है, या इज़राइल-फिलिस्तीन की तलहटी में है जो पहाड़ी देश और तटीय मैदान के बीच है।

इसे तेल एस-सफ़ी के नाम से जाना जाता है। यह इसका अरबी नाम है, लेकिन यह वास्तव में पलिशियों का बाइबिल गथ है। और वह गोलियथ का गृहनगर है।

हम इसके बारे में और अधिक बात करने जा रहे हैं क्योंकि हम पलिशियों और उनकी कुछ साइटों के बारे में बात करते हैं। लेकिन फिर, यह विशिष्ट है क्योंकि आप चौकोर आकार के गड्डे देखते हैं, और वे पाँच गुणा पाँच मीटर वर्ग के होते हैं, और अधिकांश पुरातात्विक खुदाई इसी तरह की जाती है। फिर, जब हम कार्यप्रणाली पर आएं तो हम इसके बारे में बात करेंगे।

चारों ओर रेत की बोरियां केवल ऑफ-सीज़न के दौरान धंसने या कटाव को रोकने के लिए हैं। तो, उस हलचल के साथ, हम पुरातत्व क्या है इसके बारे में थोड़ी बात करेंगे। पुरातत्व वह नहीं है जो हम यहां देखते हैं, इंडियाना जोन्स की प्रसिद्ध हॉलीवुड फिल्म श्रृंखला।

जब मैं पुरातत्व में रुचि रखने वाले लोगों से मिलता हूँ, तो वे तुरंत इस तथ्य को सामने लाते हैं कि, ओह, आप इंडियाना जोन्स में हैं। खैर, पुरातत्व और पुरातत्त्ववेत्ताओं को बहुत मजा आता है। हमारे पास बहुत सारा रोमांच है।

हालाँकि, हॉलीवुड के पैमाने पर कुछ भी नहीं। यह यथार्थवादी नहीं है। संभवतः इसका 95% बहुत यथार्थवादी नहीं है।

लेकिन बस मेरी दो सेंट, इंडियाना जोन्स की पहली और तीसरी किस्त शायद मेरे और मेरे सहयोगियों के बीच सबसे पसंदीदा हैं क्योंकि वे फिर से, बाइबिल के विषयों से संबंधित हैं। वास्तविक जीवन का पुरातत्व, बहुत अलग, लेकिन मज़ेदार भी और बहुत रोमांचक भी। और आप यहां बाईं ओर की दो स्लाइडों पर दो स्वयंसेवकों को अपने क्षेत्र में, जहां वे खुदाई कर रहे हैं, खुदाई करते हुए और कलाकृतियों को ढूंढते हुए देख रहे हैं।

किर्बिट्ज़ सफ़र नामक साइट पर काम कर रहा था। उम्मीद है कि हम इसके बारे में बाद में और बात करेंगे। लेकिन हमें द्वितीयक उपयोग में रसोई का एक हिस्सा और कई भंडारण जार उल्टे मिले।

और जब आप उस रसोई के फर्श पर खड़े होते हैं, तो आपको एहसास होता है कि लगभग 3,100 या 3,200 साल पहले शुरुआती इज़राइली वहां काम कर रहे थे। और यह आपको हमारे बाइबिल पूर्वजों और माताओं के साथ बहुत ही ठोस तरीके से संपर्क में रखता है। ऊपर दाईं ओर का चित्र मिट्टी के बर्तनों का एक संग्रह है जो एक स्थान या क्षेत्र में पाए गए थे, एक विशिष्ट क्षेत्र जिसे एक ही समय और स्थान से निर्धारित किया जा सकता है।

और वे नौवीं शताब्दी ईसा पूर्व के मिट्टी के बर्तनों का संग्रह हैं। अब यह एलिय्याह और एलीशा के समय के बारे में है। और नीचे दाईं ओर की तस्वीर, फिर से, इन पाँच गुणा पाँच मीटर वर्गों की है, जिनकी उन्होंने अभी-अभी खुदाई शुरू की है।

और वह नगर द्वार का एक भाग है। अब आप उसे देखते हैं और आपको वहां केवल खाली जमीन दिखाई देती है, लेकिन आपको नीचे कुछ मलबा और शायद कुछ दीवार की रेखाएं दिखाई देती हैं। और यह दुर्भाग्य से विशिष्ट है क्योंकि, मान लीजिए, 2,800 साल पुराना शहर का द्वार जीवित नहीं है, और आपको कमोबेश नींव की खुदाई करनी होगी।

अब, मैं इस ओर ध्यान दिलाना चाहता हूँ। यह सब तेल एस-सफ़ी, बाइबिल गैथ में है। 2 किंग्स में ऊपर दिए गए धर्मग्रंथ संदर्भ को देखें।

यह इस समय के बारे में कहता है कि अराम के राजा हजाएल ने चढ़ाई की और गत पर आक्रमण किया और उस पर कब्ज़ा कर लिया। फिर वह यरूशलेम पर आक्रमण करने के लिये मुड़ा। धर्मग्रंथ में बहुत संक्षिप्त टिप्पणी।

बस लगभग एक, मैं कहूंगा लगभग एक फुटनोट। लेकिन 20 वर्षों से, इज़राइल में बार-इलान विश्वविद्यालय तेल एस-सफ़ी की खुदाई कर रहा है, और वह कविता बहुत जीवंत और बहुत

वास्तविक हो गई है क्योंकि उन्हें उस शहर के बड़े पैमाने पर विनाश के अविश्वसनीय सबूत मिले हैं, जो कभी सबसे बड़ा था। पवित्र भूमि का शहर, यरूशलेम से भी बड़ा। और इसे नौवीं शताब्दी में हजाएल के अधीन अरामियों द्वारा नष्ट कर दिया गया था।

ये दोनों महिलाएं और तेल एस-सफ़्री में काम करने वाले सभी लोग उस विनाश से बहुत परिचित हैं क्योंकि वे लगभग हर दिन इससे निपटते थे। और फिर, वह मिट्टी के बर्तनों का संग्रह उस विनाश से है जैसा कि उस द्वार के मूलभूत मार्गों के अवशेष हैं। ठीक है।

बाइबिल पुरातत्व की कई परिभाषाएँ हैं। अलग-अलग लोग इसे अलग-अलग तरीके से परिभाषित करते हैं। और संभवतः सबसे प्रसिद्ध वह सज्जन हैं जो ऊपर दाहिनी ओर चश्मा लगाए हुए हैं।

आप बता सकते हैं ये पुरानी तस्वीर है. उस सज्जन का नाम डब्ल्यूएफ अलब्राइट, विलियम फॉक्सवेल अलब्राइट था। और वह वास्तव में डोयेन, शायद 20वीं सदी का सबसे प्रसिद्ध अमेरिकी बाइबिल पुरातत्वविद् था।

और उन्होंने बाइबिल पुरातत्व की इस परिभाषा का उपयोग किया। बाइबिल पुरातत्व में भारत से लेकर स्पेन तक बाइबिल में वर्णित सभी भूमि शामिल हैं। यह वहां का विशाल क्षेत्र है।

और दक्षिणी रूस से लेकर दक्षिणी अरब तक और उन ज़मीनों का लगभग 10,000 ईसा पूर्व या उससे भी पहले से लेकर वर्तमान समय तक का पूरा इतिहास। अब, यह संभवतः 40 या 50 के दशक में लिखा गया था, पाषाण युग ईसाई धर्म, या उनकी परिचयात्मक पुस्तकों में से एक। लेकिन यह समय की कसौटी पर खरा उतरा है।

पुरातत्व आज मोटे तौर पर उस बेलीविक, या समय और भूगोल के उस विस्तार को कवर करता है। अब, मेरे अपने प्रोफेसर, एंसन रेनी नाम के एक इज़राइली प्रोफेसर, जिन्होंने अपने पूरे करियर के दौरान पुरातत्व में काम किया, विज्ञान के बारे में बहुत अधिक नकारात्मक दृष्टिकोण रखते हैं। और हम पढ़ेंगे कि वह क्या कहते हैं: पुरातत्व एक चौकोर गड्ढा खोदने और उसमें से सूत कातने की कला का विज्ञान है।

और जब उन्होंने ऐसा कहा तो उन्हें विभिन्न वैज्ञानिक बैठकों में खूब तालियां और हंसी मिली। लेकिन उन्हें पुरातत्व की कुछ कमियाँ नज़र आती हैं, क्योंकि कभी-कभी पुरातत्वविद् अपनी व्याख्या में कुछ ज़्यादा ही उत्साहित हो जाते हैं, खासकर तब जब उन्हें लगता है कि उन्हें कुछ ऐसा मिल गया है जो धर्मग्रंथ पर प्रकाश डाल सकता है। इसलिए, एंसन रेनी हमें जमीन से जुड़े रखते हैं और उन्हें यह पसंद नहीं है कि उनके लिए पुरातत्वविद् शब्द का इस्तेमाल किया जाए।

वह एक पाठ्य-साधक व्यक्ति थे, लेकिन उनके पास पुरातत्व में काम करने का व्यापक, व्यापक अनुभव था। तो, पुरातत्व को परिभाषित करने पर दो दिलचस्प, विरोधाभासी दृष्टिकोण हैं। बाइबिल पुरातत्व की एक बेहतर, शायद, समग्र परिभाषा यहां हमारे सामने है।

और मैं इसे पढ़ने जा रहा हूँ. बाइबिल पुरातत्व एक वैज्ञानिक अनुशासन है जो बाइबिल के अध्ययन, प्राचीन भाषाओं, पुरालेख के विषयों को मिश्रित करता है, यह लिपियों का अध्ययन, ऐतिहासिक भूगोल है, फिर से पुरातत्व का एक बहुत ही महत्वपूर्ण हिस्सा इलाके, स्थलाकृति और स्थलाकृति, साइट के नाम और आसपास को समझना है। क्षेत्रीय पुरातत्व और उसके उप-विषयों के साथ पूर्वी इतिहास। यह एक कौर है.

बाइबिल पुरातत्व या निकट पूर्वी पुरातत्व के कई उप-विषय हैं, जिनके बारे में हम नए पुरातत्व के हिस्से के रूप में बात करेंगे। यह सब बाइबल की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, धार्मिक और राजनीतिक, सामाजिक सेटिंग के साथ सहसंबंध खोजने और समझने के लिए किया जाता है। फिर से, एक कौर, लेकिन यह संभवतः बाइबिल पुरातत्व की परिभाषा को अन्य की तुलना में बेहतर ढंग से समझाता है।

पिछले कुछ वर्षों में बहुत से लोगों ने मुझसे पूछा है, ठीक है, ईसाई होने के नाते, हमारे पास बाइबल है। हमें पवित्र भूमि पर जाकर इसके बारे में अधिक जानकारी प्राप्त करने की आवश्यकता क्यों है? हमारे पास बाइबिल है. यह काफी अच्छा है, है ना? तो ईसाई विश्वविद्यालय और मदरसे अभी भी खुदाई क्यों करते हैं? अब, मेरे पास उस शीर्षक के बारे में एक चेतावनी है जो उस PowerPoint पर है।

अधिकांश ईसाई मदरसे और विश्वविद्यालय अब खुदाई नहीं करते हैं। और यह कहते हुए दुख हो रहा है कि पुरातत्व एक ऐसा विषय बनता जा रहा है जिसे ईसाई विश्वविद्यालयों द्वारा इस क्षेत्र में पढ़ाया और अभ्यास कराया जा रहा है। और, दुर्भाग्य से, आज जब मैं बोल रहा हूँ तो यह एक दुखद टिप्पणी है।

लेकिन जो लोग ऐसा करते हैं, वे ऐसा क्यों करते हैं? खैर, सबसे पहले, क्षमाप्रार्थी प्रयास। जब हम खुदाई करते हैं तो वे निःसंकोच, और हम यहां एंड्रयूज में ऐसा करते हैं, ऐसी चीजें ढूंढना पसंद करते हैं जो बाइबिल के विवरण की पुष्टि करती हों। और हमें सामान मिला है, कलाकृतियाँ मिली हैं और ऐसी चीजें मिली हैं जो बाइबिल के पाठ की पुष्टि करती हैं।

बाइबिल के वृत्तांतों के भौतिक और सांस्कृतिक संदर्भ को समझने के लिए, धर्मग्रंथ के मूल प्राप्तकर्ताओं और पाठकों की तरह, हमें यह समझना होगा कि बाइबिल सिर्फ एक किताब नहीं है। यह एक पुस्तक है। जब हम बाइबल पढ़ते हैं, तो हम उस समय से कम से कम 2000 या अधिक वर्षों से अलग होते हैं।

नए और पुराने नियम को पढ़ने वाले मूल श्रोताओं ने बहुत सी बातें समझीं जो हम 21वीं सदी के समय में नहीं जानते हैं। और इसलिए, पुरातत्व हमें उन अंतरालों को भरने में मदद करता है। और हम रीति-रिवाजों को समझ सकते हैं, जिस तरह से लोग रहते थे, और प्राचीन काल में वे शरीर और आत्मा को एक साथ कैसे रखते थे, और जब हम इसे पढ़ते हैं तो हमें बाइबिल पाठ को समझने में मदद मिलती है।

पुरातत्व हमें वह देता है, और इसलिए यह बहुत, बहुत महत्वपूर्ण है। तीसरा, बाइबल और उसकी सेटिंग के बारे में मूल दावे और सिद्धांत बनाए जाने चाहिए। फिर, जब हम धर्मग्रंथ की व्याख्या करते हैं, तो हम इसकी व्याख्या अपने सर्वोत्तम तरीके से करते हैं, हमारे पास मौजूद सभी उपकरणों के साथ, लेकिन पुरातत्व हमारी मदद करेगा, कभी-कभी हमें मजबूर करता है, वापस जाने और धर्मग्रंथ को फिर से पढ़ने के लिए, और कहें, अब हमने पाया यह, और हमने पाया कि, आइए उस पाठ को दोबारा पढ़ें और देखें कि क्या हम इसे अलग तरीके से समझ सकते हैं, और यह बाइबिल के विद्वानों के लिए पुरातात्विक जानकारी, क्षेत्र से डेटा के साथ वापस जाने के लिए एक बड़ी सहायता और सहायता रही है।, अधिक शक्तिशाली तरीके से धर्मग्रंथ की पुनः व्याख्या करने और समझने में सक्षम हो।

मैं 1929 और उसके बाद उगारिट में पाए गए गोलियों के भंडार की तुलना में पुरातात्विक खोजों के एक बेहतर संग्रह के बारे में नहीं सोच सकता जिसने हमें उस संबंध में मदद की है, जिसने हमें पुराने नियम को कई अलग-अलग तरीकों से समझने में मदद की है, खासकर समझने में। कनानी पंथ, और हम उसके बारे में बाद में भी बात करेंगे। ठीक है, संक्षेप में, यह एक तरह से उसका सारांश है जिसके बारे में हम बात करने जा रहे हैं। आइए पुरातत्व के कुछ विशिष्ट उदाहरण देखें और क्या पाया गया है।

पहली तस्वीर में इस युवा को इस विस्तृत घाटी को देखते हुए दिखाया गया है। यह अमेरिकी ग्रांड कैन्यन जैसा दिखता है। यह नहीं है।

वह वास्तव में जॉर्डन में वाडी मुजीब, बाइबिल अर्नोन गॉर्ज या अर्नोन नदी है। और वह किसी प्राचीन किले या शहर की प्राचीन दीवार पर खड़ा है। व्यवस्थाविवरण 2:36 को यहाँ अरोएर से देखें, जो अर्नोन की घाटी के किनारे पर है।

वह अरोएर का स्थान है, और वह अर्नोन के किनारे पर है। तो, पुरातत्व आपको वस्तुतः वहां होने का एहसास दिला सकता है। और यही व्यवस्थाविवरण के उस उद्धरण का सटीक स्थान है।

यहूदी रब्बी ने कहा कि अर्नोन को पार करना रीड सागर को पार करने जितना ही चमत्कारी था क्योंकि यह इतनी गहरी, विशाल घाटी है। लेकिन वह यही है, और वह फिर से उस पाठ की एक तस्वीर है। ऊपर दाईं ओर स्लाइड या चित्र एक समाधि का पत्थर है, और वह समाधि का पत्थर जाहिरा तौर पर यरूशलेम में और उसके आसपास कुछ रूसी भिक्षुओं द्वारा पाया गया था।

हम नहीं जानते कहां। हमें वह जानकारी जानना अच्छा लगता। इसे जैतून के पहाड़ पर रूसी चर्च के संग्रह में रखा गया था, और दो युवा यहूदी पुरातत्वविद् आए और उनके संग्रह को देखा और इसे पाया, 20 के दशक के अंत में इसे अपने संग्रह में फिर से खोजा, और उनके नाम एलीएज़र सुकेनिक और नचमन थे। अविगाड.

और उन्होंने इस समाधि के पत्थर के महत्व को पहचाना, जिसके बारे में हम यहां एक सेकंड में बात करेंगे, तुरंत और इसे 1931 में हिब्रू और अंग्रेजी दोनों में प्रकाशित किया। समाधि का पत्थर अरामी भाषा में है, और अरामी की लिपि, पुरालेख, दिनांकित हो सकता है यह पहली शताब्दी

ईसा पूर्व, पहली शताब्दी ईस्वी के आसपास है, इसलिए यह ईसा मसीह के समय के आसपास है। लेकिन यह अरामी भाषा में कहता है, और मैं मोटे तौर पर इसका अनुवाद करूंगा, यहां यहूदा के राजा उज्जियाह की हड्डियां लाई गई थीं, और खोलने के लिए नहीं।

आइए देखें कि बाइबल उज्जियाह के दफ़न के बारे में क्या कहती है। अजर्याह, उज्जियाह अपने पूर्वजों के साथ सो गया और उसे दाऊद के नगर में उनके पास दफनाया गया - 1 राजा 15.7। यह हमें उसके बारे में क्या बताता है? खैर, यह वास्तव में उस पाठ की पुष्टि करता है क्योंकि उज्जियाह, जैसा कि हम जानते हैं, एक त्वचा रोग था।

और इसलिए, उसके शरीर में इस अशुद्धता के कारण, उसे दाऊद के शहर के दक्षिणी भाग में कहीं शाही कब्रों में राजाओं के साथ दफनाया नहीं जा सका। उन्होंने उसे बाहर उसकी ही कब्र में दफनाया। तो क्या हुआ? खैर, जाहिरा तौर पर, हेरोडियन युग के दौरान डेविड शहर में विकास के कारण, उन्हें उस कब्र को स्थानांतरित करना पड़ा।

इसलिए, उन्होंने कब्र को कहीं और स्थानांतरित कर दिया, राजा उज्जियाह के लिए एक नई कब्र का पत्थर बनाया और उसे कहीं और दफनाया। वह समाधि-पत्थर फिर से एक रूसी पुजारी या किसी अन्य को मिला और उस संग्रह में पहुंच गया। लेकिन फिर, वे जानते थे कि यह ईसा मसीह के समय उज्जियाह की कब्र थी क्योंकि इसमें शायद कोई पुराना मकबरा या शिलालेख था जिसे वे पढ़ सकते थे।

वह स्थान उस समय लोगों को ज्ञात था। यहां नीचे बाईं ओर वह है जिसे बोला कहा जाता है। बुल्ला मिट्टी का एक ढेला होता है जिस पर मुहर लगाई जाती थी और वह मुहर मिट्टी में छाप छोड़ती थी।

बेशक, मुहर एक उलटा, पिछड़ा प्रभाव है। यह सही धारणा होगी, उस सील का उत्पाद मिट्टी के उस ढेले से टकराएगा। लेकिन ये काफी खास है।

मुझे यहां पाठ पढ़ने दीजिए। हिजकियाह के पास बहुत धन और सम्मान था, और उसने अपने लिए भण्डार बनाए। 2 इतिहास 32.

यह यहूदा के राजा हिजकियाह की मुहर के साथ एक वास्तविक मुहर छाप या बोला है। इसमें यहूदा के राजा आहाज के पुत्र हिजकियाह के बारे में कहा गया है, जो उस मुहर पर प्रतीकात्मकता के लिए एक प्रकार के पंख वाले प्राणी के रूप में है। हमारे पास वास्तविक मुहर नहीं है, लेकिन हमारे पास इन मुहर छापों में से एक से अधिक हैं, मिट्टी बोला, जो शायद आग में थी और वास्तव में उस आग में जल गई और ठीक हो गई, और वह बच गई।

बेशक, जिस पेपिरस दस्तावेज़ को सील किया गया था, वह बहुत पहले ही गायब हो चुका है। परन्तु हमारे पास हिजकियाह की वास्तविक मुहर छाप है। यहूदा का राजा हिजकियाह।

ठीक है, यहाँ अंतिम सड़क जॉर्डन के जेराश शहर की मुख्य सड़क या कार्डो मैक्सिमस है। यह बाइबिल गेरासा है। और नया नियम इसके बारे में क्या कहता है? तो, यीशु ने कहा, अपने घर लौट जाओ।

वह उस आदमी के बारे में बात कर रहा है जिस पर राक्षसों का कब्ज़ा था जिसे उसने काट डाला था। अपने घर लौटें और घोषणा करें कि भगवान ने आपके लिए कितना कुछ किया है। इसलिए, वह गेरासा में यह प्रचार करता हुआ चला गया कि यीशु ने उसके लिए कितना कुछ किया है।

और वह ल्यूक में है। आप आज उस मुख्य कार्डो मैक्सिमस, जेराश या गेरासा की मुख्य सड़क पर चल सकते हैं, और पत्थर में रथ के खांचे देख सकते हैं जहां रथ और वैगन के पहिये घिसे हुए थे, और पहली शताब्दी के बाद के मंदिरों और चर्चों में फिर से जा सकते हैं। लेकिन मूलतः, वहाँ चलें जहाँ इस व्यक्ति ने गवाही दी कि यीशु ने उसके लिए क्या किया था।

एशिया माइनर और इटली के बाहर, जॉर्डन के जेराश में कुछ सबसे अच्छे संरक्षित रोमन अवशेष हैं। तो ये चार उदाहरण हैं, फिर से, पुरातत्व की हड्डियों पर मांस डालने और धर्मग्रंथ और पुरातत्व के बीच संबंध देखने के। और यही वह चीज़ है जो हममें से बहुत से लोगों को इतना आकर्षित करती है और यही हमारा जुनून है, इस प्रकार का काम करना।

पुरातत्व का क्या अर्थ है? खैर, पुरातत्व पुरातनता के लिए ग्रीक शब्द से बना है। और हम यहूदी इतिहासकार फ्लेवियस जोसेफस से परिचित हैं। और फ्लेवियस जोसेफस ने द एंटिक्विटीज़ ऑफ द ज्यूज़ नामक एक प्रमुख कार्य लिखा।

यह मूल रूप से पुराने नियम के इतिहास का सारांश है जिसका उपयोग उन्होंने कुछ अन्य स्रोतों के साथ किया था। लेकिन मूल यूनानी शीर्षक यहूदियों का पुरावशेष या पुरातत्व था। इसलिए, इसमें पुरावशेषों या प्राचीन किंवदंतियों और प्राचीन इतिहास के अध्ययन का विचार है।

और इसलिए पुरातत्व का मूल अर्थ यही है। अब, पुरातत्व कोई नई बात नहीं है। यह बहुत प्राचीन है।

और यह पुराने नियम के काल में और शायद उससे भी पहले से चला आ रहा है। अशर्बनिपाल, जो 7वीं शताब्दी ईसा पूर्व में एक असीरियन राजा था, एक शौकिया, आप तर्क कर सकते हैं, एक शौकिया पुरातत्वविद् था। निस्संदेह, वह असीरिया साम्राज्य का राजा था और उसके पास जबरदस्त शक्ति थी।

और उस शक्ति के साथ उसने जो किया वह यह था कि उसने पुराने बेबीलोनियन किंवदंतियों और गोलियों, ऐतिहासिक पट्टियों को इकट्ठा करने के लिए जो कुछ भी वह कर सकता था, एकत्र किया, खरीदा, रिश्वत दी और वह सब कुछ किया। अब इस पर विचार कीजिये। ये संभवतः ईसा पूर्व दूसरी और तीसरी सहस्राब्दी की गोलियाँ हैं।

और अशर्बनिपाल के दिनों में भी, ईसा पूर्व 7वीं शताब्दी, ईसा पूर्व 600 ईसा पूर्व, तब भी, वह मिट्टी की पट्टियों पर प्राचीन दस्तावेज़ एकत्र कर रहा था और अपने शाही शास्त्रियों से उन्हें अच्छी

पठनीय असीरियन क्यूनैफॉर्म में लिपिबद्ध करा रहा था। और इसलिए, उन्होंने नीनवे में एक जबरदस्त पुस्तकालय एकत्र किया। और जब 612 में नीनवे बेबीलोनियों, कसदियों के हाथों गिर गया, तो वह पुस्तकालय नष्ट हो गया लेकिन 19वीं शताब्दी में इसे फिर से खोजा गया।

और हम बाद में हेनरी ऑस्टिन लेयर्ड के बारे में बात करेंगे। लेकिन उस पुस्तकालय को फिर से खोजा गया और सैकड़ों, हजारों वे गोलियाँ बचा ली गईं और वर्तमान में संग्रहालयों में हैं, विशेष रूप से ब्रिटिश संग्रहालय में, अभी भी पढ़ी जा रही हैं, उनमें से कई अभी भी समझी नहीं जा सकी हैं। और उन गोलियों में एनुमा एलिश, गिलगमेश महाकाव्य की महत्वपूर्ण प्रतियां थीं, जिनकी उत्पत्ति में बाइबिल के ग्रंथों के साथ बहुत करीबी समानताएं हैं।

फिर, अशर्बनिपाल एक पुरातत्वविद् थे, और उनके लिए धन्यवाद, हमारे पास बहुत, बहुत प्रारंभिक मेसोपोटामिया साहित्य की प्रतियां हैं। एक अन्य प्रारंभिक पुरातत्ववेत्ता नबोनिडस थे। फिर, अशर्बनिपाल असीरियन था, और नबोनिडस नव-बेबीलोनियन था।

वह बेबीलोन का अंतिम राजा था। वह बेलशेज़र का पिता था। डैनियल अध्याय 5 के बारे में सोचें। और नबोनिडस, आप उसकी तारीखें यहां देख सकते हैं, एक पुरातत्वविद् था जो वास्तव में शासन करना पसंद नहीं करता था।

उन्होंने अपना अधिकांश समय बेबीलोन से दूर टेमा नामक मरूद्यान में चंद्रमा देवता सिन, जो कि एक असीरियन देवता है, की खुदाई और अध्ययन करने में बिताया। उसकी माँ असीरियन थी, और वह बेबीलोन के देवताओं के बजाय असीरियन देवताओं की पूजा करता था, जिससे वह बेबीलोनिया के लोगों का प्रिय नहीं बन सका।

लेकिन उन्होंने फिर से संग्रह किया और पुराने मंदिरों का जीर्णोद्धार किया और पुराने असीरियन कैसिट और पहले के असीरियन और बेबीलोनियन कलाकृतियों और पुरावशेषों को एकत्र किया। और वह इसके लिए जाने जाते थे। विडम्बना यह है कि यहां एक फुटनोट की तरह, टेमा, जो आज सउदी अरब में है, की खुदाई की गई है और हाल ही में प्रकाशित किया गया है।

और उस साइट के उत्खननकर्ताओं में से एक रिकार्डो इचमैन नाम का एक जर्मन पुरातत्वविद् है। आप उस उपनाम को कुख्यात नाजी नेता के रूप में रिकार्डो के पिता एडॉल्फ इचमैन के नाम से पहचानते हैं। और इसलिए, शुक्र है कि रिकार्डो आज अपने पिता की तरह नहीं बल्कि एक बहुत ही प्रमुख जर्मन पुरातत्वविद् हैं।

एक और दिलचस्प नोट: मृत सागर स्क्रॉल में, हमारे पास एक स्क्रॉल है जिसे नाबोनिडस की प्रार्थना कहा जाता है। और यह दानियेल अध्याय 4 के समान है जहां नबूकदनेस्सर को सात साल का पागलपन झेलना पड़ा। जाहिर तौर पर नेबोनिडस भी इससे गुजरा।

ठीक है, बाइबिल काल से आगे बढ़ते हुए और बाइबिल के बाद के काल में आ रहा हूँ। मुझे कहना चाहिए कि शुरुआती पुरातत्वविद् वास्तव में ईसाई तीर्थयात्री, ईसाई और यहूदी तीर्थयात्री थे। वे पवित्र भूमि की तीर्थयात्राओं पर जाते थे और जो कुछ उन्होंने देखा उसका बहुत विस्तृत विवरण लिखते थे।

ये आज शोध के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं क्योंकि उनकी नज़र और विवरण कई स्मारकों, कई इमारतों और कई साइटों को पकड़ते हैं जो अब मौजूद नहीं हैं। इनमें से सबसे पहले और सबसे महत्वपूर्ण में से एक, पहले ईसाई रोमन सम्राट, सम्राट कॉन्स्टेंटाइन की माँ थी। उनकी माँ काफी बूढ़ी थीं, लेकिन उन्होंने भ्रमण किया, पवित्र भूमि पर गईं और चारों ओर घूमिं।

उनका मुख्य उद्देश्य उन प्रमुख स्थलों को ढूँढना था जो बाइबिल के इतिहास से संबंधित थे, विशेष रूप से ईसा मसीह के जीवन से। और इसलिए वह यरूशलेम गईं, उस समय एलिया कैपिटोलिना, और उसने कहा, नंबर एक, यीशु को क्रूस पर कहाँ चढ़ाया गया था? और नंबर दो, उसे कहाँ दफनाया गया था? यह बहुत दिलचस्प है क्योंकि एलिया कैपिटोलिना के शुरुआती ईसाई जो वहाँ रह रहे थे, उन्होंने शहर की दीवारों के अंदर एक रोमन मंदिर की ओर इशारा किया और कहा, आप उस रोमन मंदिर को हटा दें, और उसके नीचे आपको गोलगोथा मिलेगा। आपको अरिमथिया के जोसेफ की कब्र मिलेगी।

उसने वैसा ही किया। वह सम्राट की माँ थी; क्या मुझे कुछ और कहने की ज़रूरत है? और उन्हें पहली शताब्दी में कब्रों का एक परिसर मिला और फिर खराब चूना पत्थर का एक टुकड़ा मिला जो उत्खनन कार्यों से बचा हुआ था।

और वे मूल रूप से चर्च ऑफ द होली सेपुलचर का हिस्सा बन गए, जिसे उन्होंने स्थापित किया, जो गोलगोथा और मकबरे दोनों को कवर करता है। वह बेथलहम भी गयी और बोली, यीशु का जन्म कहाँ हुआ था? और वहाँ एक धार्मिक स्थल था और उन्होंने उसे हटा दिया और एक कुटी, एक गुफा पाई, और यीशु का जन्म वास्तव में एक अस्तबल में नहीं हुआ था, बल्कि संभवतः एक चूना पत्थर की गुफा में हुआ था। और वह कुटी चर्च ऑफ नैटिविटी का केंद्र बिंदु बन गई, जिसे उसने वहाँ स्थापित किया था।

जैतून के पहाड़ पर चर्च ऑफ द एसेंशन, एक ही बात। वह गईं और माउंट सिनाई, जेबेल मूसा के तल पर एक चैपल की स्थापना की, माना जाता है कि वह जलती हुई झाड़ी का स्थान था जहाँ मूसा को भगवान से निर्देश मिले थे। इसलिए, वह चारों ओर घूमिं और इन स्थानों की स्थापना की।

और आप यह तर्क दे सकते हैं कि माउंट सिनाई वह स्थान नहीं हो सकता है, लेकिन अन्य संभवतः वास्तविक स्थान हैं जहाँ बाइबिल की ये घटनाएं घटी थीं। और उसके परिश्रम और इस तथ्य के कारण कि, फिर से, यह इस तथ्य के 300 साल बाद है, लेकिन अभी भी हम घटनाओं की तुलना में बहुत करीब है, उसने जो काम किया और इन स्थलों पर चर्च और चैपल और मठों की स्थापना की, बहुत, बाद के शोध के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। कुछ अन्य उल्लेखनीय तीर्थयात्री बोर्डों के तीर्थयात्री थे।

और फिर, अधिकांश तीर्थयात्री शिक्षित नहीं थे। वे ऐसे लोग नहीं थे जो जिज्ञासु थे और प्रश्न पूछते थे और विवरण लिखते थे, लेकिन कुछ ने ऐसा किया था। और कुछ साक्षर थे और उन्होंने हमें बहुत, बहुत मूल्यवान जानकारी दी।

बोर्डों के तीर्थयात्री ने एक किया। और एगोरिया की तीर्थयात्रा, फिर से, उसने पवित्र भूमि में कई साल बिताए, यरूशलेम में तीन साल बिताए, और इन प्राचीन स्थलों का बहुत, बहुत अच्छा विवरण दिया, और प्रश्न पूछे, सही प्रश्न पूछे। एक यहूदी रब्बी, स्पेन में टुडेला के बेंजामिन, ने फिर से पवित्र भूमि की अपनी यात्रा का एक उत्कृष्ट विवरण लिखा।

और सौभाग्य से, ये अंग्रेजी में, अनुवाद में उपलब्ध हैं। एगोरिया ट्रेवल्स, जॉन विल्किंसन द्वारा फिर से, 1970 के दशक में सामने आया। और वे बहुत अच्छी पढ़ाई करते हैं, खासकर यदि आप पवित्र भूमि की स्थलाकृति से परिचित हैं क्योंकि आप उनके विवरण में बहुत सी चीजें कैद कर सकते हैं जो अब मौजूद नहीं हैं।

ठीक है। कई लोगों का मानना है कि पुरातत्व की शुरुआत 1798 में नेपोलियन बोनापार्ट के नेतृत्व में फ्रांस की महान सेना द्वारा मिस्र पर आक्रमण के साथ हुई थी। नेपोलियन ने मिस्र पर आक्रमण किया और अपने साथ विद्वानों और विद्वानों का एक विशाल समूह लाया।

उन्होंने मिस्र को छान मारा और मिस्र के सभी स्मारकों पर छापा मारा, और जितना हो सके उतना लौवर में वापस ले जाने की कोशिश की ताकि उनके पास प्राचीन मिस्र के कुछ अवशेष हो सकें। उसके कुछ सैनिक रोसेटा नाम के एक छोटे से शहर में थे, और उन्हें यह काला पत्थर मिला। यह काला पत्थर मिस्र के वैज्ञानिकों के लिए अविश्वसनीय रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि इसने एक ऐसी भाषा का खुलासा किया जिसे विद्वान उस समय तक नहीं समझ सके थे, और वह चित्रलिपि और चित्रलेख हैं जिनसे हम प्राचीन मिस्र में बहुत परिचित हैं।

तस्वीरें और तस्वीरें और फिल्में। अब, चित्रलिपि पूरे मिस्र में हैं। उन्होंने स्तंभों पर लिखा।

उन्होंने हर प्रकार की सतह पर लिखा। और मैं पिछले महीने ही मिस्र से वापस आया हूँ, और आप इसे हर जगह देखते हैं। अब, 19वीं शताब्दी तक, यह कुछ ऐसा था जिसे कोई नहीं पढ़ सकता था।

यह अर्थहीन था। लेकिन रोसेटा स्टोन ने चित्रलिपि को खोल दिया क्योंकि यह एक त्रिभाषी शिलालेख था। चित्रलिपि शीर्ष पर हैं।

केंद्र रजिस्टर डेमोटिक था, जो मिस्र का शॉर्टहैंड था। निचला रजिस्टर, और यह कुंजी थी, कोइन ग्रीक था। और इसलिए, विद्वानों के एक समूह, विशेष रूप से जीन चैंपिग्रन, एक बिल्कुल प्रतिभाशाली भाषाविद्, जो दर्जनों प्राचीन और आधुनिक भाषाओं को जानते थे, ने दशकों तक इस पर काम किया और पता लगाया और चित्रलिपि को अनलॉक करने और इसका अनुवाद करने में सक्षम हुए।

वैसे, इसकी शुरुआत कार्टूच कहलाने वाली श्रृंखला से हुई, जो सिगार के लिए एक फ्रांसीसी शब्द है। यह एक पाठ के चारों ओर एक प्रकार की अंडाकार, अंडाकार रेखा थी। और, और उसने मान लिया कि यह टॉलेमी के लिए एक शब्द था, जो फिर से एक राजा, मिस्र का दिवंगत फिरौन था, और वह सही था।

उन्होंने वहीं से शुरुआत की और उसे एक साथ रखना शुरू किया। यह एक दिलचस्प कहानी है, और रोसेटा स्टोन आज भी इजिप्टोलॉजी के लिए सबसे बड़ी खोजों में से एक है क्योंकि हम चैपिग्रन और अन्य लोगों के काम की बदौलत इन सभी चित्रलेखों को पढ़ सकते हैं। हमें यह भी समझना होगा कि 19वीं शताब्दी तक फोटोग्राफी नहीं थी।

इसलिए, पवित्र भूमि पर आने वाले पर्यटक जो कुछ उन्होंने देखा उसका वर्णन कर सकते हैं या उसका चित्र बना सकते हैं। और शायद उनमें से सबसे प्रसिद्ध डेविड रॉबर्ट्स नाम का एक स्कॉट्समैन था। और डेविड रॉबर्ट्स ने पवित्र भूमि और मिस्र का दौरा किया।

आप वहां 1838 से 1840 तक की तारीखें देख सकते हैं, और उन्होंने कई साइटों की पेंटिंग्स की एक श्रृंखला बनाई, जहां वे गए थे। और ये पेंटिंग यूरोप में बेहद लोकप्रिय थीं। और मैंने यहां उल्लेख किया है कि उनकी पेंटिंग श्रृंखला की पहली ग्राहक कोई और नहीं बल्कि महारानी विक्टोरिया थीं।

यह वहां एक बहुत बड़ी अनुशंसा है। लेकिन डेविड रॉबर्ट्स ने अलग-अलग दृश्यों की बेहद खूबसूरत पेंटिंग बनाईं। बेशक, यह मिस्र में कर्णक का मंदिर है।

आप आज भी उन खंभों पर पेंट देख सकते हैं, बस थोड़ा सा बचा हुआ है शायद स्तंभ के निचले किनारों पर, वहां स्तंभों के शीर्ष पर। यह रॉबर्ट्स की एक पेंटिंग है, जब वह घर लौटे थे, उन्होंने वही पोशाक पहनी थी जो उन्होंने निकट पूर्व में पहनी थी। तथाकथित खजाना या पेट्रा, जैसा कि उनके दौरे पर दिखाई दिया था।

और फिर, निस्संदेह, तेल अवीव से भूमध्य सागर के मार्ग पर जाफ़ा की ओर देखने वाला एक दृश्य। यहां नीचे जो है वह फिर से एक पेट्रा है, वह एक हिरण या मठ है, फिर से एक और स्मारकीय मकबरा है। राजकोष और मठ दोनों ही वास्तव में प्रमुख नबातियों की स्मारकीय कब्रें हैं।

डेविड रॉबर्ट्स के साथ समस्या यह है कि वह अपनी पेंटिंग के वास्तविक विषय के लिए काफी सटीक थे, जैसे कि कर्णक और मठ और राजकोष के ये स्तंभ। जिस चीज़ में वह कई बार असफल हुआ वह थी पृष्ठभूमि। जो वास्तव में वहां था उसे उन्होंने काल्पनिक बना दिया, यथार्थवादी नहीं।

यह काफी करीब है। यह यहां एक घाटी जैसा दिखता है। यह वास्तव में यहाँ एक ऊबड़-खाबड़, गहरी घाटी है।

मुझे लगता है कि तेल अवीव की रेत के आसपास के कुछ अवशेष संभवतः जोड़े गए होंगे। लेकिन वहां जाफ़ा की वास्तविक तस्वीर, जाफ़ा का चित्रण, संभवतः काफी सटीक है। तो, रॉबर्ट्स ने फिर से एक अद्भुत काम किया और दृश्य तरीके से हमारी आंखें खोल दीं कि पवित्र भूमि कैसी दिखती थी, लेकिन उनके सभी चित्रणों में यह बहुत सटीक नहीं था।

अब, अभी भी, 19वीं शताब्दी में, पवित्र भूमि एक प्रकार से अज्ञात क्षेत्र थी। यह चाँद पर जाने जैसा था। लेकिन पवित्र भूमि उस समय बहुत धूमिल थी, और उनके पास पार्टियाँ, उच्च समाज और अभिजात वर्ग के लोग होते थे, जो इंग्लैंड और संयुक्त राज्य अमेरिका दोनों में पूर्वी, हम कहेंगे, उस समय ओरिएंटल पोशाक पहनकर पार्टियाँ आयोजित करते थे और ये पार्टियाँ होती थीं।

और इसलिए, वे जाकर इन तस्वीरों या चित्रों को देखेंगे और बाद में पवित्र भूमि कैसी दिखती थी इसकी तस्वीरों को देखेंगे। लेकिन पवित्र भूमि की यात्रा करना, एक बिल्कुल अलग मुद्दा है। क्यों? क्योंकि यह 19वीं शताब्दी थी, पवित्र भूमि वाइल्ड वेस्ट की तरह थी।

इस पर ओटोमन तुर्की साम्राज्य का शासन था। मैंने इस शब्द का प्रयोग उद्धरण चिह्नों में किया है। यह बहुत खतरनाक था।

वहाँ सशस्त्र लुटेरे और बेडौइन जनजातियाँ चारों ओर दौड़ रही थीं, और आपको मूल रूप से एक सशस्त्र गार्ड के साथ जाना था। आप अक्सर तीर्थयात्रियों और खोजकर्ताओं के साथ पेचिश और अन्य बीमारियों से बीमार पड़ जाते थे और उनमें से कई की मृत्यु हो जाती थी। हम पवित्र भूमि में बीमारी से एक मिनट में उनमें से कुछ को देखेंगे।

और यह था, यह था, आपने अपना जीवन अपने हाथों में ले लिया, और यह एक बहुत महंगा प्रयास था। इसलिए, इसकी तुलना चंद्रमा पर जाने से करना बहुत दूर की कौड़ी नहीं है। लेकिन लोग अभी भी पवित्र भूमि के दृश्यों, यह कैसी दिखती थी, और जहाँ उनके बाइबिल के पूर्वज चले थे, वहाँ चलने के लिए भूखे थे।

और इसलिए इन पार्टियों में शामिल होना और डेविड रॉबर्ट्स और शुरुआती फोटोग्राफरों की पेंटिंग देखना बहुत, बहुत लोकप्रिय था। 19वीं शताब्दी के कुछ अधिक महत्वपूर्ण प्रारंभिक खोजकर्ता, सबसे पहले, स्विस खोजकर्ता जोहान लुडविग बर्कहार्ट थे। और यह एक सज्जन व्यक्ति थे जिन्होंने अरबी भाषा सीखी थी और इसे एक मूल निवासी की तरह बोल सकते थे, एक अरब शेख की तरह कपड़े पहनते थे और उसी तरह अपना भेष बदलते थे।

और इस माध्यम से वह पवित्र भूमि, हम कहेंगे लेवांत, सीरिया, जॉर्डन और फिलिस्तीन, इज़राइल के माध्यम से बहुत आसानी से यात्रा करने में सक्षम था, और ध्यान आकर्षित किए बिना। दूसरे शब्दों में, वह किसी पश्चिमी व्यक्ति की तरह नहीं दिखता था। और यह सबसे प्रसिद्ध रूप से बर्कहार्ट था, जिसने पेट्रा में प्रवेश प्राप्त किया।

पेट्रा, फिर से, वह नबातियन है, जो दक्षिणी जॉर्डन में एदोम के पहाड़ों में एक महान नबातियन शहर है, जिसमें अविश्वसनीय रूप से अविश्वसनीय मकबरे और सुंदर पत्थर हैं। और यह सदियों तक एक खोया हुआ शहर था। और बर्कहार्ट पेट्रा की यात्रा करना चाहते थे।

होर की तीर्थयात्रा की, जो पेट्रा के पश्चिमी किनारे पर थी। वह बेडौइन गाइड के साथ अंदर जाने में सक्षम था, और जाहिर तौर पर, हम मानते हैं कि वह शायद 800 वर्षों में पेट्रा को देखने वाला पहला पश्चिमी व्यक्ति था, जो अविश्वसनीय है। निःसंदेह, उसके बाद, पेट्रा के उस अविश्वसनीय, अवास्तविक पक्ष का पर्यटन बढ़ गया, और तब से लाखों लोगों ने इसे देखा है।

लेकिन वह पहले व्यक्ति थे और उन्होंने अपनी पत्रिकाओं में इसका वर्णन किया। दुःख की बात है कि वह मिस्र का दौरा कर रहा था और उसे पेचिश हो गई और उसकी मृत्यु हो गई। लेकिन उनकी पत्रिकाएँ इंग्लैंड वापस भेजी जा रही थीं और उन्हें एक पुस्तक के रूप में प्रकाशित किया गया और 19वीं शताब्दी में व्यापक रूप से पढ़ा गया।

अब हम कुछ बहुत ही महत्वपूर्ण अमेरिकी खोजकर्ताओं के पास आए हैं। एडवर्ड रॉबिन्सन और एली स्मिथ। एडवर्ड रॉबिन्सन न्यूयॉर्क में यूनिवर्सिटी ऑफ़ थियोलॉजिकल सेमिनरी में प्रोफेसर थे।

हिब्रू विद्वान, जर्मन हिब्रू विद्वान गेसेनियस के छात्र थे और उन्होंने वास्तव में उनके शब्दकोष का अंग्रेजी में अनुवाद किया था। लेकिन एडवर्ड रॉबिन्सन ने कम से कम दो बार पवित्र भूमि का दौरा किया और बाइबिल के स्थलों को बाइबिल के साथ, अपने समय की स्थलाकृति के स्थलों के साथ जोड़ने की कोशिश में कई, कई, अनगिनत घंटे बिताए। अब उन्होंने एली स्मिथ नाम की एक अमेरिकी मिशनरी को अपने साथ ले लिया।

एली स्मिथ अरबी भाषा में पारंगत थे। वह एक भाषाविद् थे। बेशक, रॉबिन्सन हिब्रू और प्राचीन भाषाओं में बहुत अच्छा था।

साथ मिलकर और स्थानीय अरबों की मदद से, वे कई बाइबिल साइटों की पहचान साइट के विवरण या सामान्य स्थान से नहीं बल्कि अरबी में नाम से करने में सक्षम थे। यह बहुत महत्वपूर्ण है। यह स्थलाकृति, स्थान के नामों का अध्ययन है।

और आज हमारे लिए यह विश्वास करना कठिन है कि स्थलाकृति जैसी कोई चीज़ होती है। लेकिन पवित्र भूमि में अरबों द्वारा प्राचीन नामों को अक्सर आज तक संरक्षित रखा गया है। और कई वर्षों तक मैंने जॉर्डन में तेल हेशबन नामक साइट पर काम किया।

टी हैट एक अरब नाम है जो बाइबिल के हेशबोन के स्थल को संरक्षित करता है। आप अक्षरों या ध्वनियों में समानता पहचान सकते हैं। कई शताब्दियों तक, हेशबोन डेकापोलिस था, जो एक छोटा रोमन और ग्रीक और बाद में बीजान्टिन शहर था।

7वीं शताब्दी ईस्वी में मुसलमानों द्वारा बीजान्टिन को खदेड़ दिए जाने के बाद, वह शहर वापस अपने सेमेटिक नाम पर वापस आ गया। और इसका एक और उदाहरण इजराइल का एक प्रसिद्ध पुराने नियम का शहर बीट शान है। बीट शान, एक हजार साल तक, डेकापोलिस नाम का एक शहर था

और यह तब तक वैसा ही बना रहा जब तक कि 7वीं शताब्दी ईस्वी में मुसलमानों ने कब्ज़ा नहीं कर लिया और बेत शान में वापस नहीं आ गए। तो, आपको ये भाषाई परंपराएँ स्थानीय लोगों द्वारा मिली हैं जो सेमेटिक भाषाएँ बोलते हैं, जिन्हें विभिन्न शक्तियों द्वारा विदेशी शाही शासन के दौरान बनाए रखा जाता है। और इसलिए, रॉबिन्सन और स्मिथ इन नामों को पकड़ने में सक्षम थे, और कभी-कभी वे भ्रष्ट हो गए थे, और कभी-कभी वे विभिन्न कारणों से बदल गए थे।

हम इस पाठ्यक्रम में विशेष रूप से एक पर गौर करने जा रहे हैं। वे कई बाइबिल स्थलों को समझने, पहचानने और उनका पता लगाने में सक्षम थे। इसलिए, उनका काम अविश्वसनीय रूप से महत्वपूर्ण था।

और जैसा कि आप यहां देख सकते हैं, महान जर्मन पुराने नियम के इतिहासकार अल्बर्ट अल्ट ने यह उद्घरण दिया है, और रॉबिन्सन के फुटनोट्स में पीढ़ियों की त्रुटियाँ दबी हुई हैं। और उन्होंने सभी मुद्दों को हल किया, लेकिन उन्होंने उनमें से बहुत से मुद्दों को हल किया। और वे 1850 या 40 के दशक में प्रकाशित तीन बहुत मोटे खंडों में प्रकाशित हुए, मेरा मानना है, फ़िलिस्तीन का ऐतिहासिक भूगोल।

19वीं शताब्दी में फिर से कई खोजकर्ता, मैं यहां केवल कुछ का उल्लेख करना चाहता हूं। और यह फिर से अमेरिकियों के लिए विशेष रुचि का विषय है क्योंकि अमेरिकी नौसेना वास्तव में 19वीं शताब्दी में पवित्र भूमि में थी। अमेरिकी नौसेना वहां क्या कर रही है? जाहिर तौर पर उन्हें जॉर्डन नदी और मृत सागर का मानचित्रण करने का काम सौंपा गया था।

और इसलिए, विलियम लिंग, अमेरिकी नौसेना में एक कप्तान, अपने लोगों, यूएसएस सप्लाइ पर अपने नाविकों के साथ आए, जहाज का नाम, हाइफ्रा या अक्को के मैदान में डॉक किया गया और कुछ नावों, ढहने वाली नावों को जेज़्रेल घाटी के पार ले जाया गया। , हेरोद घाटी, जॉर्डन नदी तक। और वह और उसके लोग यरदन नदी से नीचे उतरे और उसका मानचित्र बनाया और मृत सागर का मानचित्र बनाया। अविश्वसनीय।

वह वास्तव में एक पुस्तक के रूप में प्रकाशित हुई थी, 1849 में जॉर्डन नदी और मृत सागर के संयुक्त राज्य अभियान की कथा। और लिंग वापस चला गया और वह एक दक्षिणवासी था और उसने गृहयुद्ध में कॉन्फेडरेट नेवी के साथ काम किया था, युद्ध के वर्ष उसकी मृत्यु हो गई। समाप्त. लेकिन आप मानें या न मानें, वह किताब कई बार छप चुकी है और मुझे लगता है कि वह आज भी छपी हुई है।

और फिर, यह शोध का एक बहुत ही महत्वपूर्ण हिस्सा है। उन्होंने ध्वनियाँ निकालीं और वे जॉर्डन नदी और मृत सागर में विभिन्न बिंदुओं की गहराई और ऊंचाई बताने में सक्षम थे। ठीक है, यह वास्तव में हमारे यहां एंड्रयूज विश्वविद्यालय के संग्रहालय, हॉर्न संग्रहालय, लेकिन मोआबाइट या मेशा स्टेला में है।

और अगर बाइबिल के पुरातत्वविदों के पास कभी इंडियाना जोन्स प्रकार का कोई विवरण था, तो वह इस काले बेसाल्ट स्मारक की खोज और उसके आसपास की घटनाएं हैं जो पाई गईं। इस नाम का एक लड़का था, वह वास्तव में एक स्विस मिशनरी था, फ्रेडरिक क्लेन, जो जॉर्डन, ट्रांसजॉर्डन का दौरा कर रहा था, और उसने ताल डिबन नामक स्थान पर बेडौस के एक समूह के साथ डेरा डाला था। फिर से, उस नाम को संरक्षित करते हुए, दिबान, जो ट्रांसजॉर्डन में एक प्राचीन मोआबाइट शहर है।

और वहां के ग्रामीणों, बेदौ ने, जमीन पर पड़े एक सुंदर नक्काशीदार, सुंदर रूप से बने स्टेला की ओर इशारा किया। फ्रेडरिक क्लेन उसके पास गया और स्टेला पर प्राचीन लेखन देखा और तुरंत

समझ गया कि यह बहुत, बहुत महत्वपूर्ण था। और इसलिए उसने इसे लिख लिया, इस स्टेला के कुछ पाठ की नकल की, और यरूशलेम वापस चला गया।

तभी उसने एक बड़ी गलती कर दी. उन्होंने अपना मुंह खोला और अपने निष्कर्षों को ब्रिटिशों के साथ, फ्रांसीसियों के साथ, जर्मनों के साथ साझा किया, बस इसे साझा किया, सभी को बताया कि वह इसे, इस शिलालेख को पाकर कितने उत्साहित थे। ठीक है, यदि आप स्वयं को 1860 के दशक में यरूशलेम में रखते हैं, तो फिर से, ओटोमन साम्राज्य का नियंत्रण न्यूनतम था, लेकिन सभी यूरोपीय देश पवित्र भूमि में हिस्सेदारी चाहते थे।

और इसलिए, उन सभी के वहां वाणिज्य दूतावास थे और वे पवित्र भूमि, टेरा सैंक्टा में अधिक नियंत्रित हित चाहते थे। और इसलिए, वे सभी यही चाहते थे, और उन सभी के पास वहां खोजकर्ता और विद्वान थे। तो, अंग्रेज़ यही चाहते थे; फ्रांसीसी इसे चाहते थे, और जर्मन इसे चाहते थे।

अचानक, डुबन के बेडौइन में ये सभी लोग रुके, इसे देखा और इसके लिए पैसे देने की पेशकश की। और बेडौइन अपना सिर खुजा रहे थे, सोच रहे थे कि ये सभी पश्चिमी लोग इस काले पत्थर में क्यों रुचि रखते थे। आह, अंदर सोना होना चाहिए। और इसलिए, उन्होंने एक बड़ी आग लगाई, इसे गर्म किया, यह पत्थर, जो लगभग साढ़े चार फीट ऊंचा और बहुत, बहुत मोटा बेसाल्ट स्मारक है।

और फिर उन्होंने उस पर ठंडा पानी डाला और वह चकनाचूर हो गया। और इसलिए, प्रत्येक परिवार ने इसके टुकड़े ले लिए, इसे अपने तंबू में दफना दिया, निस्संदेह कोई सोना नहीं था, और शिलालेख नष्ट हो गया। खैर, इस वृत्तांत का अंत कुछ हद तक अच्छा है।

अब इस खाते के विभिन्न, विभिन्न संस्करण हैं। इस संस्थान, हॉर्न म्यूज़ियम के संस्थापक, सिगफ्राइड हॉर्न ने वास्तव में इस पर कुछ लेख लिखे थे। दूसरों के पास भी है।

खैर, हाल ही में एक। लेकिन एक और विद्वान था जो उस पत्थर को देखने आया जब वह सही सलामत था और शुक्र है कि उसने इस पत्थर को निचोड़ लिया। उसने क्या किया, उसने कागज को उसकी सतह पर रख दिया, कागज को गीला कर दिया, और इससे एक छाप बन गई, वास्तविक शिलालेख ने कागज पर एक छाप बना दी।

और जब वह उसके सूखने का इंतज़ार कर रहा था, तो उसकी आँखें ऊपर उठीं और उसने दूर से घोड़ों और ऊँटों पर बेडौइन आदिवासियों के एक समूह को बहुत तेज़ी से अपनी ओर आते देखा। वह तुरंत बहुत, बहुत भयभीत हो गया और उसे लगा कि उसका जीवन खतरे में है, उसने स्टेला से कागज को तीन टुकड़ों में फाड़ दिया, उसे अपने काठी के थैले में रख दिया, अपने घोड़े पर चढ़ गया, और वहां से निकल गया। सौभाग्य से, टुकड़ों के बीच, हम इस स्टेला के लगभग दो-तिहाई टुकड़े प्राप्त करने में सक्षम थे, और विद्वान उन्हें प्राप्त करने में सक्षम थे।

और उन और निचोड़ के बीच, उन्होंने बहुत आत्मविश्वास से पाठ का पुनर्निर्माण किया है। और इसलिए वह पुनर्निर्मित स्टेला आज लौवर में है। जेरूसलम में एक फ्रांसीसी परिषद और अपने

आप में एक पुरातत्वविद् और भाषाविद् चार्ल्स क्लेरमोंट-गैनन ने विभिन्न लोगों और समूहों और बेडौइन से उनमें से अधिकांश टुकड़े एकत्र किए और फिर से पाठ का पुनर्निर्माण किया।

जैसा कि आप जानते हैं, अब यह पाठ अविश्वसनीय रूप से महत्वपूर्ण है। यह पुराने नियम काल का पहला रोमन पाठ है जो हमारे पास है, स्मारकीय पाठ। यह फिर से एक शाही पाठ है, या आप मोआबी साम्राज्य का एक शाही पाठ कह सकते हैं।

यह लगभग 840 ईसा पूर्व, फिर 9वीं शताब्दी का है, और इसे मोआबी राजा मेशा द्वारा एक प्रचार लेख के रूप में लिखा गया था। इसलिए कभी-कभी इसे मोआबाइट स्टेला कहा जाता है, कभी-कभी मेशा स्टेला। लेकिन आज भी इसका अध्ययन, पुनर्लेखन और संपादन किया जा रहा है।

एक फ्रांसीसी विद्वान को इस अत्यंत महत्वपूर्ण कार्य या अत्यंत महत्वपूर्ण शिलालेख का अंतिम व्यापक संस्करण लिखना है, और वह अभी तक सामने नहीं आया है, लेकिन उम्मीद है, वह आएगा। लेकिन यह आश्चर्यजनक है कि कैसे, फिर से, यह लगातार, लगातार, हर साल आप इस स्टील पर लिखे गए कागजात और लेख देखते हैं। अब, यह क्या कहता है? यह सब चर्चा इस बारे में है कि यह क्या है, यह क्या कहता है? खैर, यह एक बार फिर, मोआबियों, राजा मेशा द्वारा उसके और इज़राइल के बीच युद्ध का प्रचार विवरण है।

यदि आप अपने आप को 9वीं शताब्दी में देखते हैं, तो ओमरी, अहाब और उसके उत्तराधिकारियों के अधीन ओमराइड राजवंश का पतन हो गया। वहाँ एक तख्तापलट हुआ, जिसका वर्णन यहू द्वारा पुराने नियम में अच्छी तरह से किया गया है, और उसने ओमराइड्स को उखाड़ फेंका और उन्हें मिटा दिया। लेकिन यहू एक कमजोर राजा था, और उस तख्तापलट की गूँज ट्रांसजॉर्डन, मोआब और मदीना में इज़राइल की पकड़ में महसूस की गई थी।

और इसलिए, मेशा ने सोचा कि यह विद्रोह करने का समय है, और उसने विद्रोह किया। और उसने कम से कम मदाबा तक ट्रांसजॉर्डन का अधिकांश भाग जीत लिया और वहाँ रहने वाले इस्राएलियों को जॉर्डन में निकाल दिया या मार डाला। और इसलिए हम काम करते हैं, एक पुरातत्वविद् के रूप में, मैं यहाँ जॉर्डन में एंड्रयूज विश्वविद्यालय के साथ अपना काम करता हूँ, और हम हर समय मेशा से निपटते हैं क्योंकि वह उन कुछ शहरों के विवरण की एक सूची देता है जिन्हें उसने नष्ट कर दिया और पुनर्निर्माण किया।

और जब हम 9वीं शताब्दी के स्तर पर पहुँचते हैं, तो हमें अपने प्रश्न पूछने पड़ते हैं: क्या मेशा और मोआबी यहाँ थे? और यह स्टेला, हम लगातार इसका उल्लेख करते हैं क्योंकि यह 2 किंग्स अध्याय 5 का मोआबाइट संस्करण है, जो इसी युद्ध का बाइबिल विवरण है। वे विभिन्न तरीकों से एक-दूसरे के पूरक हैं, लेकिन वे बहुत, बहुत महत्वपूर्ण स्मारक हैं और इस स्मारक से 9वीं शताब्दी की भू-राजनीतिक अंतर्दृष्टि का बहुत महत्वपूर्ण पता चलता है। हम चाहते हैं कि हम और अधिक पा सकें, और हम इसके बारे में बाद में बात करेंगे जब हम शिलालेखों के बारे में बात करेंगे।

यह मेशा स्टेला का एक पाठ है। मैं इसे पढ़ने में समय नहीं लगाऊंगा। यह कई स्थानों पर ऑनलाइन और विभिन्न पुस्तकों में उपलब्ध है।

लेकिन आप देख सकते हैं कि इसके हाइलाइट किए गए अनुभाग महत्वपूर्ण हैं। वह मोआबी था। वह एक डब्बानाइट था।

वह टिबन में रहता था और ओमरी के बारे में बात करता था। फिर, आपको यहां इज़राइल के राजाओं के नाम, साथ ही ट्रांसजॉर्डन में इज़राइली शहरों के नाम भी मिलेंगे। हमारा मानना है कि उल्लिखित इन कस्बों में से एक बाज़ार है, जिसका उल्लेख पुराने नियम में शरण के शहर और लेविटिकल शहर के रूप में भी किया गया है।

हमारा मानना है कि हम जॉर्डन में तेल जलुल नामक स्थान पर बाज़ार की खुदाई कर रहे हैं। और इसलिए, जॉर्डन में काम करने वाले किसी भी व्यक्ति के लिए इस अत्यंत महत्वपूर्ण पाठ से परिचित होना बहुत, बहुत महत्वपूर्ण है। रोसेटा स्टोन जैसे एक अन्य पाठ ने विद्वानों को क्यूनिफॉर्म को समझने में मदद की।

यह अशूरियों, बेबीलोनियों, फारसियों और उनसे पहले सुमेरियों का लेखन है। और जिसे पश्चिमी ईरान में बेहिस्तुन शिलालेख कहा जाता है, वह एक चट्टान पर खुदा हुआ त्रिभाषी शिलालेख है। और सर हेनरी रॉलिसन नाम के एक ब्रिटिश ने, और फिर से उन्हें अपने काम के लिए नाइट की उपाधि दी गई थी, बड़े जोखिम में उस शिलालेख की नकल की।

उसे या तो मचान से या रस्सियों से काम करते हुए, इस चट्टान से लटकना पड़ा, और इस त्रिभाषी शिलालेख की सावधानीपूर्वक प्रतिलिपि बनानी पड़ी। और उससे, और अपने भाषाई ज्ञान से, वह कीलाकार लिपि को समझने में सक्षम हो गया। बिल्कुल एक उपलब्धि, चित्रलिपि वाले चैम्पोलियन की तरह।

लेकिन तभी, और अचानक, ये सभी गोलियाँ जो कुछ दशकों में नीनवे और निमरुद और मेसोपोटामिया के अन्य स्थलों से मिलने वाली थीं, हम समझना और पढ़ना शुरू कर सकते थे। तो वहां बहुत, बहुत महत्वपूर्ण उपलब्धि है। मैंने पहले उनका उल्लेख किया था, सर हेनरी, या ऑस्टिन हेनरी लेयर्ड, एक पुरातत्वविद् नहीं थे, लेकिन वह एक वकील और राजनयिक थे।

और उन्होंने इस्तांबुल में ओटोमन अधिकारियों से बात की और दो प्रमुख असीरियन शहरों नीनवे और निमरुद की खुदाई करने की अनुमति ली, और नीनवे और उसके अवशेष नामक एक प्रसिद्ध काम लिखा। और वह, फिर, वास्तव में इन सभी कई, कई, या सदियों के बाद भी शायद अभी भी प्रिंट में है। और यह वह व्यक्ति था जिसने इस महान पुस्तकालय की खोज की थी, अशूरनिपाल, वह असीरियन राजा जिसने सभी प्रारंभिक बेबीलोनियाई गोलियों को एकत्र किया था, लेयर्ड ने उस पुस्तकालय को पाया और उनमें से अधिकांश को वापस इंग्लैंड भेज दिया।

अब, कुछ चीजें, कभी-कभी, वह यहां इस लामासु जैसे बजरों पर पाता था और उन्हें बजरों पर रखता था, उन्हें टाइग्रिस नदी के नीचे ले जाता था, और फिर उन्हें जहाजों पर रखकर वापस इंग्लैंड ले जाता था। और कभी-कभी उनमें से एक नाव डूब जाती थी। लेकिन शुक्र है कि लेयर्ड

जो कुछ भी पाया उसे भेजने से पहले उसकी प्रतिलिपि बनाता और चित्र बनाता, अच्छे चित्र बनाता।

और हमारे पास कुछ असीरियन राहतें हैं, बहुत महत्वपूर्ण राहतें, कि अब हमारे पास वास्तविक राहत नहीं है, लेकिन हमारे पास उसका चित्र है, और वह बहुत, बहुत मददगार है। तो वह, और फिर से, वह प्रेषण वापस भेज रहा था और इन पुस्तकों को लिख रहा था। और यह बेहद लोकप्रिय था, आप लामासु को ब्रिटिश संग्रहालय में जाते हुए देख सकते हैं, वह चित्र वहां सबसे ऊपर है।

यह बेतहाशा लोकप्रिय था क्योंकि वह असीरियन राजाओं के नामों के साक्ष्य ढूंढ रहा था जिनके बारे में माना जाता था कि ये नाम केवल बाइबल में हैं। और निःसंदेह, कुछ लोगों ने इसकी ऐतिहासिकता पर सवाल उठाए। और इस बात को वह बार-बार अपनी खोज से साबित भी कर रहे थे।

बाइबिल पुरातत्व में बहुत, बहुत महत्वपूर्ण समय, अनुशासन के इतिहास में बहुत, बहुत प्रारंभिक। लेकिन आपको यहां टाइमिंग देखनी होगी। और यह, जर्मनी में, 1849, 1850, 60 और उसके बाद, दस्तावेजी परिकल्पना का विकास और पूछताछ, तथाकथित उच्च आलोचना, बाइबिल के इतिहास पर सवाल उठाना, पुरातत्व एक पूरी तरह से अलग तस्वीर दिखा रहा था।

वेल्लहाउज़ेन पर एक शानदार लेख है, जो कि अंतिम रूप का प्रकार था, उन्होंने वृत्तचित्र परिकल्पना का अंतिम रूप विकसित किया था। वह अशशूर में इनमें से किसी भी खोज पर विचार भी नहीं करेगा। उन्होंने इसे नजरअंदाज कर दिया।

वेल्लहाउज़ेन नामक एक लेख है, मैं इसका सटीक नाम भूल गया हूं, लेकिन एक बहुत ही महत्वपूर्ण लेख इन खोजों से निपटने की इच्छा न रखने की उनकी घृणा को दर्शाता है क्योंकि यह, फिर से, कई, कई के उनके सिद्धांत के खिलाफ जाता है पेंटाटेच और उसके बाद, संपूर्ण पुराने नियम के स्रोत। लैयर्ड के मददगार थे। एक स्थानीय इराकी, होर्मुजुद रसम था, और दूसरा, उसका एक साथी अंग्रेज, जॉर्ज स्मिथ था।

और इन दोनों ने बहुत-बहुत महत्वपूर्ण योगदान दिया। लैयर्ड के चले जाने के बाद रसम ने लैयर्ड की खुदाई जारी रखी। जॉर्ज स्मिथ वास्तव में ब्रिटिश संग्रहालय में फर्श साफ कर रहे थे और, यह जितना अविश्वसनीय लगता है, उन्होंने खुद को क्यूनिफॉर्म सिखाया, खुद को प्राचीन बेबीलोनियाई असीरियन सिखाया।

वह ऑस्टेन हेनरी लेयर्ड को मिली कुछ महत्वपूर्ण गोलियों को प्रकाशित करने में सक्षम थे, जिसमें गिलगमेश महाकाव्य और बेबीलोनियन बाढ़ विवरण शामिल थे, और इसका कुछ हिस्सा गायब था। वह वास्तव में विद्वानों के एक अन्य समूह के साथ इराक गए और उन्हें गायब हुई गोलियाँ मिलीं। दुर्भाग्य से, वहां की भयानक परिस्थितियों के कारण उनकी भी पेचिश से मृत्यु हो गई, लेकिन उनकी मृत्यु बहुत ही कम उम्र में, 36 वर्ष की उम्र में हो गई, लेकिन वे एक प्रतिभाशाली विद्वान थे और अधिकांश समय स्व-शिक्षित थे।

मेसोपोटामिया और मिस्र से वापस लेवंत की ओर मुड़ते हुए, और जब मैं लेवंत कहता हूँ, तो मैं मूल रूप से सीरिया, लेबनान, जॉर्डन और इज़राइल-फिलिस्तीन की बात कर रहा होता हूँ। यह वह शब्द है जिसका उपयोग फ्रांसीसी भूमध्य सागर का वर्णन करने के लिए करते थे, फ्रांसीसी शब्द पूर्वी भूमध्यसागरीय समुद्री तट के लिए, और यही वह शब्द है जिसका उपयोग अधिकांश पुरातत्वविद् करते हैं, दक्षिणी लेवंत। और हम यरूशलेम की ओर मुड़ते हैं, और जैसा कि आप कल्पना कर सकते हैं, पुरातात्विक अन्वेषण में यरूशलेम का एक लंबा, समृद्ध इतिहास है।

और वास्तव में, पहली व्यवस्थित खुदाई एक फ्रांसीसी, लुईस डी सॉल्सी द्वारा की गई थी; आप वहां उसकी तारीखें देख सकते हैं, और पुराने शहर के उत्तर में एक मकबरा परिसर था। यह आज अरब पड़ोस शेख जर्ह का आधुनिक क्षेत्र है, और उन्होंने इसे राजाओं की कब्र के रूप में माना और प्रकाशित किया। और मैं, मैं यहां एक मिनट के लिए रुकता हूँ और रुकता हूँ क्योंकि यरूशलेम में काम करने वाले हर पुरातत्वविद्, मैं लगभग हर किसी को कह सकता हूँ, शायद हर किसी के मन में आशा, लालसा है, शायद राजा डेविड और उनके प्रसिद्ध कब्रों को उजागर करने की उत्तराधिकारी।

और डी सॉल्सी ने जोसीफस को पढ़ते हुए सोचा कि, क्योंकि जोसीफस शाही कब्रों के पास से गुजरने वाली तीसरी दीवार की रेखा के बारे में बात करता है। वहां प्रयुक्त ग्रीक शब्द एंटीक्यू, पास है। और इसलिए, डी सॉल्सी ने सोचा कि उसे शाही कब्रें मिल गई हैं।

ये स्मारकीय वास्तुकला और आकार में निश्चित रूप से शाही थे। आप यहां फिर से जमीनी योजना देख सकते हैं, सभी भूमिगत, आधारशिला में खुदी हुई। वास्तव में उन्हें जो मिला वह अदियाबेने की रानी हेलेना की कब्र थी, जो कि प्रारंभिक थी, वह यहूदी धर्म में परिवर्तित हो गई थीं, यरूशलेम चली गई और पहली शताब्दी ईस्वी में उनकी मृत्यु हो गई।

तो, यह पुनरुत्थान और आरंभिक चर्च के ठीक बाद की घटनाओं के साथ बहुत समसामयिक है। जोसेफस में उसका वर्णन और उल्लेख किया गया है और यह बाद में पता चला, लेकिन उसने, इसकी गलत पहचान की, लेकिन उसने कलाकृतियों को रख लिया। वे फ्रांस में प्रदर्शन पर थे और बाद में सही ढंग से दिनांकित किए गए, और इसका श्रेय यहूदा या इज़राइल के राजाओं को नहीं दिया गया, बल्कि इस रानी हेलेना को दिया गया, कॉन्सटेंटाइन की मां की रानी हेलेना को नहीं, बल्कि एक अन्य को, जो लगभग 200 साल पहले एक जोड़े के साथ रहती थी।

तो, यह जेरूसलम में उत्खनन का पहला, पहला प्रयास उसका था। अब फिर से, बाइबिल पुरातत्व और विशेष रूप से पवित्र भूमि में लोकप्रियता में वृद्धि के साथ, वैज्ञानिक समाजों का एक समूह स्थापित हुआ, जो यूरोप में स्थापित हुए। और इनमें से सबसे पहले में से एक, यदि पहला नहीं तो, फिलिस्तीन अन्वेषण कोष था।

और किंवदंती यह है, मुझे यह बताया गया था, कि एक बहुत अमीर ब्रिटिश महिला यरूशलेम आई थी और प्यासी थी, एक गिलास पानी चाहती थी, और उन्होंने उसे एक गिलास गंदा, मटमैला पानी दिया। और उसने उस पर दृष्टि करके कहा, निःसन्देह हमारे प्रभु ने यह, इतना बुरा पानी न पिया। उन्होंने प्राचीन यरूशलेम की जल आपूर्ति का अध्ययन करने के लिए धन अलग रखा।

प्राचीन यरूशलेमवासियों को पानी कैसे मिलता था? और वह निधि जो उन्होंने स्थापित की, 1865 में फ़िलिस्तीन अन्वेषण निधि की उत्पत्ति बनी। और वह अभी भी अस्तित्व में है। इसके कार्यालय अभी भी लंदन में हैं।

वे अभी भी सक्रिय हैं. और उनके पास एक बहुत प्रसिद्ध पत्रिका है, शायद पहली पुरातात्विक पत्रिका, जिसे कहा जाता है, खैर, अब इसे फिलिस्तीन अन्वेषण त्रैमासिक कहा जाता है। उस समय, इसे फिलिस्तीन अन्वेषण निधि त्रैमासिक वक्तव्य कहा जाता था।

और हुआ क्या था, अंग्रेजों का एक समूह, ब्रिटिश सेना के कई ब्रिटिश शाही इंजीनियर यरूशलेम गए और यरूशलेम में और उसके आसपास के सभी प्राचीन अवशेषों का अध्ययन और वास्तुशिल्प चित्र बनाना शुरू कर दिया। और यह अब तक किए गए कुछ सर्वोत्तम कार्यों में से एक है। पहले व्यक्ति चार्ल्स विल्सन थे, और उसके बाद चार्ल्स वॉरेन थे।

और उन्होंने प्राचीन यरूशलेम के संबंध में बहुत सारे प्रश्नों का उत्तर दिया। और उनका प्रकाशित कार्य आज भी अत्यंत मूल्यवान बना हुआ है क्योंकि उनमें से कुछ स्थानों की उन्होंने खोज की, मानचित्रण किया और चित्र बनाए, अब उन तक पहुंच नहीं है, उन तक अब उनकी पहुंच नहीं है। चार्ल्स वॉरेन, उनके जीवन पर एक दिलचस्प फुटनोट है, एक शाही इंजीनियर के रूप में सेवा करने और यरूशलेम में अद्भुत काम करने के बाद, वह वापस चले गए और, मुझे लगता है, लंदन में पुलिस प्रमुख बन गए।

और वह वह व्यक्ति था जिसने कुख्यात जैक द रिपर को पकड़ने की कोशिश की थी, लेकिन फोटोग्राफी, अपराध स्थल की फोटोग्राफी, उस मामले, उस भयानक मामले, लंदन के व्हाइटचैपल जिले में उन महिलाओं की हत्याओं का इस्तेमाल किया था। वॉरेन ने इन भयानक अपराधों को अंजाम देने वाले इस कुख्यात व्यक्ति को पकड़ने की कोशिश करने के लिए बहुत, बहुत, बहुत ही अत्याधुनिक तकनीकों का इस्तेमाल किया। और इसमें, वह असफल रहे, लेकिन उन्होंने अपराध से लड़ने की कई नवीन तकनीकों का उपयोग किया और उन्हें फिर से पेश किया, जिसमें अपराध स्थल की फोटोग्राफी भी शामिल थी।

तो, वास्तव में हमारे पास उन अपराधों की तस्वीरें हैं। लेकिन, हाँ, विल्सन और वॉरेन दोनों शानदार थे और उन्होंने प्राचीन यरूशलेम कैसा दिखता था, इसे समझने और निर्धारित करने के लिए यरूशलेम में अविश्वसनीय, अविश्वसनीय कठिनाइयों के तहत काम किया। दीवारें, जहां दीवारें थीं, और कुछ इमारतें।

और बहुत, बहुत महत्वपूर्ण. मैं इन दोनों अग्रदूतों के बारे में बहुत कुछ नहीं कह सकता। अब यरूशलेम के उस सर्वेक्षण से बाहर, और विल्सन और वॉरेन द्वारा और यरूशलेम के लिए पानी की आपूर्ति का सर्वेक्षण, जो वास्तव में तीन पूर्णों पर शुरू हुआ, रॉक कट पूल, बेथलेहम के दक्षिण में कहा जाता है, जिसे सोलोमन के पूल कहा जाता है।

वे संभवतः हस्मोनियन थे, और फिर हेरोदेस, हेरोडियन, ने उन्हें बड़ा किया। और उसमें से, उन तालाबों से एक बहुत ही घुमावदार जलसेतु निकलता था, जो कभी-कभी मौसम के अनुसार खुला

होता था, कभी-कभी पत्थरों के ब्लॉक में, एक साथ फिट होकर, एक पाइप बनाते हुए, टेम्पल माउंट तक। और वह, फिर से, पूर्वजों द्वारा एक अद्भुत इंजीनियरिंग उपलब्धि थी, और वे ओटोमन काल तक उपयोग में थे और इसके द्वारा, वॉरेन और विल्सन और उनके श्रमिकों द्वारा मैप किया गया था।

अब, उसमें से पश्चिमी फ़िलिस्तीन का सर्वेक्षण आया। और वह, फिर से, शाही इंजीनियरों द्वारा किया गया था। विशेष रूप से दो व्यक्ति, क्लाउड रेनियर कोंडोर और एचएच किचनर, उनके प्रभारी थे।

और वह था, मुझे लगता है, एक इंच का पैमाना, एक इंच एक मील के बराबर होता है। और उन्होंने पूरे पश्चिमी फ़िलिस्तीन से लेकर जॉर्डन नदी, जॉर्डन घाटी और मृत सागर तक का मानचित्रण किया। उसके पश्चिम की हर चीज़ को मैप किया गया था।

सभी साइटें, जिनके नाम थे, स्थानीय अरबों का साक्षात्कार लेकर कॉपी कर ली गई थीं। फिर, यह एक स्मारकीय कार्य है। आप आठ खंड देख सकते हैं और खूबसूरती से, खूबसूरती से बनाया गया है।

और फिर भी, मुझे लगता है कि उन्होंने इसे दोबारा छापा है। यह हजारों डॉलर का है, लेकिन आप वास्तव में आठ खंड आज पुनर्मुद्रण के रूप में खरीद सकते हैं। लेकिन शानदार.

और फिर, आज भी विद्वानों द्वारा इसका उपयोग किया जाता है, क्योंकि उस समय से कुछ साइट के नाम भी भुला दिए गए हैं। बहुत, बहुत महत्वपूर्ण. अब उन्हें सब कुछ ठीक नहीं मिला.

कोंडोर और किचनर के बारे में एक तरह का हास्यास्पद, हास्यास्पद मारक है। और वह यह है कि, वे बाइबिल के आर्मागेडन के प्रसिद्ध स्थल, मेगिडो की साइट की तलाश कर रहे थे। और वे तेल अल-मुतेस्सेलिम नामक इस बड़े टीले पर खड़े थे।

और वे चारों ओर देख रहे थे कि मेगिदो संसार में कहाँ है? और वे, वे इस खूबसूरत स्थल से यिज्रेल घाटी के चारों ओर देख रहे थे, बहुत ही प्रमुख स्थल। और अंततः, मुझे लगता है, उन्होंने मुजेदाह या कुछ और, घाटी के पूर्वी हिस्से में एक नाम निर्धारित किया। वे जिस पर खड़े थे वह वास्तव में बाइबिल मेगिदो था।

और जो उन्होंने सोचा था कि यह परिदृश्य का सर्वेक्षण करने के लिए बस एक अच्छी जगह थी, वह वास्तव में वही था जिसकी वे तलाश कर रहे थे, ठीक उनके पैरों के नीचे, या ऐसा मुझे बताया गया है। लेकिन यह पश्चिमी फ़िलिस्तीन के सर्वेक्षण के बारे में कहानियों में से एक है। यहां हम जिस प्रसिद्ध व्यक्ति के बारे में बात कर रहे हैं वह सर विलियम फ्लिंडर्स पेट्री हैं।

और पेट्री एक मिस्रविज्ञानी, एक प्रतिभाशाली मिस्रविज्ञानी थे, और वह आपको यह बताने वाले पहले व्यक्ति होंगे कि वह एक प्रतिभाशाली मिस्रविज्ञानी और एक विपुल लेखक थे। दरअसल, एक दिन एक महिला ने उनका साक्षात्कार लिया और महिला ने कहा, सर विलियम फ्लिंडर्स पेट्री,

मुझे पढ़ना अच्छा लगेगा। मुझे आपकी सारी किताबें पढ़नी होंगी। और उसने बिना पलक झपकाए उसे उत्तर दिया। ऐसा कोई तरीका नहीं है जिससे आप मेरी सारी किताबें पढ़ सकें।

आपके पास उन्हें पढ़ने के लिए पर्याप्त समय नहीं है। बात बस इतनी सी है कि इतने सारे हैं कि आप कभी भी उन सभी से पार नहीं पा सकेंगे। और उसने किया।

वह बस विपुल था। हर साल वह रिपोर्ट, लेख और किताबें लेकर आते थे। लेकिन वह था, वह प्रतिभाशाली था।

और हालांकि उन्होंने अपने करियर के अधिकांश समय मिस्र में काम किया, वे 1920 के दशक में फिलिस्तीन आए और वहां कुछ साइटें बनाईं। लेकिन उन्होंने जो पहली साइट बनाई वह वास्तव में टेल एल-हेसी नामक साइट थी, और वह 1891 में थी। और वह पीईक्यू, या पीईएफ, फिलिस्तीन एक्सप्लोरेशन फंड की ओर से आए, और इस साइट को खोदने के लिए प्रायोजन प्राप्त किया। दक्षिणी फिलिस्तीन में तटीय मैदान की ओर।

और ठीक इसी के साथ, यह टीला, जिसे हम टेल कहते हैं, और टेल क्या है इसके बारे में हम बाद में और अधिक गहराई से बात करेंगे, उन्होंने देखा कि वहाँ धारा की एक घाटी थी जिसने इस टीले का एक हिस्सा काट दिया था। और उसने इस टीले को देखा और उसे परतदार केक की तरह अलग-अलग परतें दिखाई दीं। और इन परतों में से जो नदी के मार्ग से, धारा के मार्ग से काट दी गई थीं, वह मिट्टी के बर्तनों को बाहर निकालने में सक्षम था जिन्हें वह मिस्र से पहचानता था, और वह तारीख कर सकता था।

और नीचे का मिट्टी का बर्तन उस मिट्टी के बर्तन से भी पुराना था जिसे उसने ऊपर स्ट्रेटा में देखा था। और उसे एहसास हुआ कि प्रकाश बल्ब बुझ गया, यूरेका, कि यह टीला सिर्फ कूड़ा-कचरा या कुछ और का टीला नहीं था। यह एक वास्तविक शहर था।

इससे भी अधिक, यह शहर पर ऊपर से थोपा गया शहर का एक टीला था। और इसलिए, पेट्री को उस समय एहसास हुआ कि ये सभी टीले जिन्हें लोग पूरे फिलिस्तीन में देख रहे थे, वास्तव में कूड़े के ढेर या कुछ और नहीं थे। वे वास्तविक शहर थे।

पहले तो उन्हें बिल्कुल समझ नहीं आया कि शहरों पर शहर बस जाएंगे, लेकिन वास्तव में ऐसा ही हुआ। और इसलिए, उनके छात्र, फ्रेडरिक ब्लिस, एक अमेरिकी पुरातत्वविद्, ने टेल एल-हेसी पर पेट्री के बाद एक किताब लिखी, जिसे ए माउंड ऑफ मेनी सिटीज़ कहा जाता है। और इसलिए, स्ट्रेटिग्राफी, इन अवशेषों या खंडहरों की स्ट्रेटिग्राफिक खोज, एक खंडहर टीला, पेट्री और उनके अनुयायियों के साथ शुरू हुई।

इसका मतलब यह नहीं है कि उन्होंने उत्कृष्ट फ्रील्डवर्क किया, लेकिन वे समझ गए कि वे क्या थे, मोटे तौर पर वे क्या खोद रहे थे। पेट्री की 1941 में यरूशलेम में बहुत वृद्धावस्था में मृत्यु हो गई। पेट्री के बारे में बहुत सारी कहानियाँ हैं, लेकिन जैसा कि मैंने कहा, वह एक विनम्र व्यक्ति नहीं था।

और मेरा मतलब है कि उसके पास खुद पर गर्व करने का कारण था, लेकिन उसने अपना मस्तिष्क विज्ञान को दान कर दिया। उसने सोचा कि यह मददगार होगा, कि लोग उसके मस्तिष्क का अध्ययन कर सकें और देख सकें कि वह कितना बुद्धिमान व्यक्ति था। इसलिए, उनके शरीर को प्रोटेस्टेंट कब्रिस्तान, यरूशलेम में माउंट सिव्थोन पर दफनाया गया था।

उसका मस्तिष्क या सिर वापस अंदर चला गया, बॉक्स में बंद हो गया, इंग्लैंड वापस चला गया और तुरंत खो गया। और यह 1980 के दशक तक कई वर्षों तक खोया रहा। और ब्रिटिश संग्रहालय या लंदन विश्वविद्यालय में किसी ने, मुझे नहीं पता कि यह कहाँ पाया गया था, एक टोकरा खोला, और यहाँ फॉर्मेलिहाइड में पेट्री का सिर था।

खैर, वे नहीं जानते थे कि यह कौन था। आप जानते हैं, जाहिरा तौर पर, इसके साथ कोई दस्तावेज़ नहीं था, लेकिन देखो और देखो, संग्रहालय या विश्वविद्यालय के उसी क्षेत्र में - मुझे नहीं, मुझे परिवेश या परिस्थितियाँ याद नहीं हैं - शिमोन गिब्सन, एक पुरातत्वविद्, एक प्रसिद्ध बाइबिल पुरातत्वविद्, एक प्रसिद्ध बाइबिल पुरातत्वविद्, वहाँ काम कर रहा था। और उन्होंने कहा, अरे, हमें लगता है कि हमें शायद पेट्री का सिर मिल गया है।

क्या आप जान सकते हैं कि वह कैसा दिखता है? क्या आप पहचान सकते हैं, क्या आप उसे पहचान सकते हैं? बहुत, बहुत नाटकीय ढंग से, उन्होंने सिर को फॉर्मेलिहाइड से बाहर निकाला, और पेट्री ने गिब्सन के ठीक सामने देखा, और उसकी एक आंख खुल गई। और उन सब के बाद, शिमोन गिब्सन यही कहते हैं, जिससे मुझे बाहर निकलने के लिए भागना पड़ता, मुझे लगता है, मुझे नहीं पता। लेकिन, अब पेट्री का सिर मिल गया है।

मैं यहाँ यही कहना चाह रहा हूँ। और, फिर से, उन्होंने टेल एल -हेसी में अपनी खोजों से बाइबिल पुरातत्व पर बहुत, बहुत स्थायी प्रभाव डाला। अंत में, हमारे कुछ अंतिम लोग, जॉर्ज एडम्स स्मिथ, एक अन्य एंग्लिकन, या क्षमा करें, स्कॉटिश बाइबिल विद्वान और पादरी, ने बड़े पैमाने पर पवित्र भूमि का दौरा किया और रॉबिन्सन और स्मिथ के कंधों पर लिखा, लेकिन एक लिखा द हिस्टोरिकल जियोग्राफी ऑफ द होली लैंड नामक अद्भुत पुस्तक में उस समय तक की सारी जानकारी का उपयोग किया गया और इसे संक्षिप्त किया गया और, और, और, और लिखा गया।

मुझे लगता है कि इसके 26 संस्करण निकले, आखिरी संस्करण 1931 में छपा था। उनका जीवन एक तरह से दुखद था, मुझे लगता है कि उन्होंने अपने बेटे या अपने परिवार के किसी सदस्य को खो दिया था, लेकिन त्रासदी के कारण। उन्होंने जेरूसलम का दो खंडों में इतिहास और एक एटलस भी प्रकाशित किया।

लेकिन उनका काम बहुत-बहुत मूल्यवान था और आज भी मूल्यवान है। विडंबना यह है कि, जॉर्ज एडम्स स्मिथ के पुराने संस्करण का उपयोग जनरल एडमंड एलनबी द्वारा किया गया था, जो एक ब्रिटिश जनरल थे, जिन्होंने प्रथम विश्व युद्ध में ओटोमन्स के खिलाफ लड़ाई लड़ी थी। उन्होंने अपने सैनिकों का मार्गदर्शन करने के लिए स्मिथ की पुस्तक का उपयोग किया क्योंकि उन्होंने दक्षिण से, मिस्र से फिलिस्तीन पर आक्रमण किया और बेशेबा और फिर अंततः

यरूशलेम और, और देश के बाकी हिस्सों पर कब्जा कर लिया। लेकिन हाँ, वह यह था कि उस पुस्तक की प्रति एलेनबी के मुख्यालय में थी।

ठीक है, मैंने फ़िलिस्तीन अन्वेषण कोष का उल्लेख किया है। 19वीं और 20वीं सदी की शुरुआत में, फिर से, कई अन्य राष्ट्रीय पुरातात्विक संस्थान थे जो पवित्र भूमि में स्थापित किए गए थे। और ये वास्तव में बाइबिल पुरातत्व के अध्ययन का मुख्यालय थे जिसे हम इज़राइल और फिलिस्तीन में जानते हैं।

पहला, निस्संदेह, अमेरिकन आर्कियोलॉजिकल स्कूल है, जिसे अब अमेरिकन स्कूल ऑफ नॉट-ओरिएंटल रिसर्च कहा जाता है, जो अपने पूरे इतिहास के लिए जाना जाता था। अभी हाल ही में इसे राजनीतिक रूप से सही होने के लिए अमेरिकन स्कूल ऑफ ओवरसीज रिसर्च में बदल दिया गया है। और ओरिएंट, प्राचीन ओरिएंट, न केवल पूर्वी एशिया, बल्कि पश्चिमी एशिया भी माना जाता था।

और यह वास्तव में इसे स्पष्ट करने के लिए कुछ भी नहीं करता है। यह राजनीतिक रूप से अधिक सही है। वैसे भी, 1900 में, इसकी स्थापना वास्तव में पुराने शहर में हुई थी और फिर पूर्वी यरूशलेम में पुराने शहर के बाहर एक सुंदर स्कूल बनाया गया, जो आज भी बना हुआ है।

और कई पुरातत्वविद्, यदि आप पवित्र भूमि में काम करने वाले एक अमेरिकी पुरातत्वविद् थे, तो आपने उस स्कूल में काम किया था, जिसे अंततः अलब्राइट इंस्टीट्यूट का नाम दिया गया था, जिसका नाम आज उस प्रसिद्ध पुरातत्वविद् के नाम पर रखा गया है जिसका हमने अपनी पहली स्लाइड में उल्लेख किया था, विलियम अलब्राइट, जो पहले निर्देशकों में से एक थे। ब्रिटिश स्कूल की स्थापना 1919 में हुई थी। यह पूर्वी येरुशलम में भी है, जिसे अब केन्योन इंस्टीट्यूट कहा जाता है, जिसका नाम फिर से एक प्रमुख ब्रिटिश पुरातत्वविद् के नाम पर रखा गया है, जिसके बारे में हम बाद में बात करेंगे।

फ्रांसीसी और जर्मन। फ्रांसीसियों के पास इकोले पब्लिक है पुरातत्व फ़्रैन्काइज़ , क्षमा करें। और इसकी स्थापना 1890 में लैंग्रेनियर द्वारा , फिर से, पूर्वी येरुशलम, दमिश्क गेट के उत्तर में की गई थी।

उस स्कूल के मैदान में सेंट स्टीफन चर्च है, एक बीजान्टिन चर्च जो कथित तौर पर उस स्थान को कवर करता है जहां स्टीफन शहीद हुए थे। और इकोले बिब्लिक के बारे में बस एक त्वरित टिप्पणी , जब मैं इज़राइल में अपनी मास्टर डिग्री कर रहा था तो मुझे उनकी लाइब्रेरी का उपयोग करने का सौभाग्य मिला था। दुनिया की सबसे बड़ी पुस्तकालयों में से एक, यदि दुनिया की सबसे बड़ी बाइबिल अध्ययन लाइब्रेरी नहीं है, तो इकोले बिब्लिक में है ।

और यदि आपको इसकी आवश्यकता है, तो उनके पास यह है। और यह एक गैर-परिचालित पुस्तकालय है, लेकिन मैंने वहां फोटोकॉपी स्रोतों में कई घंटे बिताए जो वास्तव में कहीं और उपलब्ध नहीं थे। बहुत, बहुत प्रसिद्ध पुरातत्वविद्, जो इकोले से निकलते हैं, फादर।

विसेंट और रोलैंड डी वॉक्स दो सबसे प्रसिद्ध हैं, अन्य भी। माउंट ऑफ ऑलिव्स पर जर्मन पुरातत्व संस्थान, ऑगस्टा विक्टोरिया अस्पताल उनका मुख्यालय है। और यह सही है, यह कुछ दिलचस्प है, माउंट ऑफ ऑलिव्स वास्तव में एक पहाड़ी है, और ऑगस्टा विक्टोरिया अस्पताल जलक्षेत्र पर ठीक है।

आप पूर्व की खिड़कियों से बाहर देखते हैं, आपको यहूदिया का रेगिस्तान दिखाई देता है। आप पश्चिम की खिड़कियों से बाहर देखते हैं, निःसंदेह, आप यरूशलेम के चारों ओर के पहाड़, यरूशलेम के चारों ओर की पहाड़ियाँ और स्वयं यरूशलेम को देखते हैं। और वह अल्बर्ट डाल्ट ही थे, जिन्होंने एक दिन पूर्व की ओर खिड़कियों से बाहर देखा और बेडौइन को अपने झुंडों को जॉर्डन घाटी से जैतून पर्वत की ढलानों पर हाल ही में काटी गई फसलों की ओर लाते हुए देखा।

और तब उन्हें एहसास हुआ कि यह जोशुआ की पुस्तक की उनकी समझ के लिए एक शांतिपूर्ण समाधान के उनके विचार की प्रेरणा थी। और यह वहीं जर्मन इंस्टीट्यूट में हुआ। गुस्ताव डहलमैन, एक बहुत प्रसिद्ध जर्मन विद्वान, जिन्होंने पवित्र भूमि के सांस्कृतिक इतिहास पर एक बहु-खंड पुस्तक लिखी, जिसका कभी अंग्रेजी में अनुवाद नहीं किया गया।

बेशक, ऑल्ट, और फिर मार्टिन नोट, एक बहुत प्रसिद्ध पुराने नियम के विद्वान और, मैं कहूंगा, एक पुरातत्वविद्, शायद एक कुर्सी पुरातत्वविद्, लेकिन बहुत महत्वपूर्ण हैं। अब यहूदी आप्रवासन, यहूदी आप्रवासन की लहरें जो 19वीं सदी के अंत में शुरू हुईं और 20वीं सदी तक पवित्र भूमि में जारी रहीं, और उस यहूदी समुदाय को हिब्रू में येशुव कहा जाता था। और उन्होंने 1913 में यहूदी फिलिस्तीन अन्वेषण कोष नामक अपना स्वयं का विद्वान समाज विकसित किया।

तो, उन्होंने सिर्फ 10 साल पहले जश्न मनाया था, हम आज 2023 में बात कर रहे हैं, और 10 साल पहले उन्होंने अपनी 100वीं वर्षगांठ मनाई थी। और, फिर से, उनके पास संसाधनों की बहुत, बहुत, बहुत स्पष्ट कमी थी। लेकिन वे एकजुट हो गए और उनका एक छात्र पीएचडी बन गया, संयुक्त राज्य अमेरिका में एक विश्वविद्यालय छोड़ दिया, एलए वहां सुकेनिक है, और वह पहले प्रशिक्षित पुरातत्वविद् थे और उन्होंने पवित्र भूमि में और उसके आसपास कई वर्षों तक काम किया और एक प्रकाशित किया बहुत।

वह, विशेष रूप से, प्रसिद्ध इज़राइली पुरातत्वविद् यिगल यादीन के पिता थे। लेकिन अन्य इज़राइली पुरातत्वविद् इस संस्था के साथ, इस समाज के साथ विकसित हुए। इसका नेतृत्व कई वर्षों तक जोसेफ अबीराम ने किया था और वहां उनकी तस्वीर है।

उसकी तारीखें देखो. उनकी मृत्यु 107 वर्ष की पूर्ण आयु में हुई। वास्तव में मुझे उनसे कई बार बात करने का मौका मिला।

मैं 2009 में यरूशलेम में था, अभी भी काम कर रहा था, उन्होंने 1941 से फिलिस्तीन या बाद में इज़राइल एक्सप्लोरेशन सोसाइटी में काम किया। मुझे लगता है कि वह अंततः 2009 के आसपास सेवानिवृत्त हो गए। लेकिन वह मेरे पास आए, उन्होंने कहा, आप खरीदना चाह रहे हैं कुछ किताबें? मैंने कहा, हाँ, आपने मेरा मन पढ़ लिया।

लेकिन वह दशकों, दशकों और दशकों तक वहां रहे और आखिरकार पिछले साल 107 साल की उम्र में उनका निधन हो गया। फ़िलिस्तीन और जेरूसलम का मानचित्र, और यह हमारे पुरातात्विक अध्ययन का केंद्र बिंदु होगा, और हम एक मिनट में भौगोलिक क्षेत्र के बारे में अधिक बात करेंगे। लेकिन यह यरूशलेम का पुराना शहर है, और वास्तव में अपने आप में एक कोर्स के योग्य है क्योंकि यह अपने इतिहास और पुरातत्व में बहुत जटिल और जटिल है।

लेकिन इस पाठ्यक्रम में यही हमारी कक्षा होगी।

यह बाइबिल पुरातत्व पर अपने शिक्षण में डॉ. जेफरी हडॉन हैं। यह सत्र 1, बाइबिल पुरातत्व के अनुशासन का परिचय और इतिहास, भाग 1 है।